तपस्वी पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट, येवती संचलित
व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय, धाराशिव (उस्मानाबाद)
एवं
उस्मानाबाद हिंदी परिषद, धाराशिव (उस्मानाबाद)
के संयुक्त तत्वावधान में विश्व हिंदी दिन के उपलक्ष्य में आयोजित
दि. १० जनवरी २०२३
अंतर्राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी
" विश्वभाषा हिंदी : २१ वीं सदी का आवश्यकता "

प्रतिवेदन

" विश्वभाषा हिंदी : २१ वीं सदी का आवश्यकता "

उस्मानाबाद हिंदी परिषद, धाराशिव (उस्मानाबाद) एवं तपस्वी पब्लिक चैरिटेबल ट्रस्ट, येवती संचलित व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय, धाराशिव (उस्मानाबाद) के संयुक्त तत्वावधान में विश्व हिंदी दिन के उपलक्ष्य में अंतर्राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी "विश्व भाषा हिंदी : २१ वीं सदी की आवश्यकता" गूगल मीट और यु-ट्यूब के माध्यम से संपन्न हुई।

इस अवसर पर सर्व प्रथम प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रशांत चौधरी जी के करकमलों से भारत माता की प्रतिमा का पूजन किया गया। तत्पश्चात संगोष्ठी के संयोजक डॉ. विनोदकुमार वायचळ ने प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रशांत चौधरी जी का पुष्पस्तबक देकर स्वागत किया। संगोष्ठी के तकनीकी सहायक डॉ. सुहास पाटील जी और प्रा. श्री. अभय शिंदे जी का स्वागत प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रशांत चौधरी जी के करकमलों से किया गया।

इस वेब संगोष्ठी की प्रस्तावना प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रशांत चौधरी जी के स्वागत पर भाषण से हुई। तत्पश्चात डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विश्वविद्यालय के हिंदी अध्ययन मंडल के निर्वाचित सदस्य डॉ. ओमप्रकाश झंवर जी (अध्यक्ष, हिंदी विभाग, स्वातंत्र्यवीर सावरकर महाविद्यालय, बीड) ने विषय प्रवर्तन किया। आपने अपने वक्तव्य में भारत की सर्वप्रधान भाषा हिंदी अपने राष्ट्रभाषा के स्तर से ऊपर उठकर विश्वभाषा के स्तर पर किस प्रकार पहुँच रही है, इस प्रक्रिया को समझाया। आपने यह भी स्पष्ट किया कि विश्व के दो सौ से भी अधिक विश्वविद्यालयों में हिंदी भाषा पढाई जा रही है।

तदुपरांत विशेष अतिथि प्रो. डॉ. रमा बुलबुले—नवले जी (पूर्व प्रभारी प्राचार्य, पीपल्स महाविद्यालय, नांदेड) ने अपने व्याख्यान में विस्तार पूर्वक रीति से हिंदी भाषा का इतिहास एक साधारण बोली खड़ीबोली से विश्वभाषा तक की यात्रा का माध्यम से स्पष्ट किया। आपने अमीर खान के चलचित्र 'दंगल' की चीन में लोकप्रियता के उदाहरण से अपनी बात सामने रखी। भूमंडलीकरण, निजीकरण और बाजारीकरण के कारण हिंदी को अनेक अवसर प्राप्त हो रहे हैं। आज निश्चित रूप से हिंदी विश्व की प्रथम क्रमांक की बोली जाने वाली भाषा बन चुकी है। हमें इसे ज्ञान की विश्वभाषा के रूप में भी लोकप्रिय बनाना होगा। हमें हमारी विरासत पर गर्व करना सीखना होगा।

इस व्याख्यान के बाद प्रमुख अतिथि डॉ. इल्या ओस्तापेंको जी (इतिहास-भाषाविद एवं जनसंख्याविस्थापनविद , वोरोनेज, रूस) ने अपने प्रमुख वक्तव्य में रूस में हिंदी की दशा और दिशा को सोदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने रूस में हिंदी चलचित्रों की लोकप्रियता को राज कपूर, मिथुन चक्रवर्ती के रूप में रेखांकित किया। जो रूसी छात्र बाल्यावस्था से ही हिंदी पढ़ना चाहते हैं, उन्हें भारत में आकर बेंगलोर स्थित दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा के माध्यम से हिंदी पढ़ने की सुविधा का लाभ उठाना चाहिए।

इसके उपरांत विशेष उपस्थिति श्री. षैजू के. (सहायक प्राध्यापक, मार अथोंसीस महाविद्यालय, कोत्तमंगलम, केरल) ने केरल प्रांत के विश्वविद्यालयों में हिंदी की पढ़ाई की दशा और दिशा को सोदाहरण समझाया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं के नामों की घोषणा की गयी। तदुपरांत उस्मानाबाद हिंदी परिषद के सचिव प्रो. डॉ.अशोक मर्डे जी ने अपने अध्यक्षीय मंतव्य में सभी वक्ताओं के विचारों की समीक्षा की।

संगोष्ठी का सूत्र संचालन, अतिथियों का परिचय और कृतज्ञता ज्ञापन संयोजक डॉ. विनोदकुमार वायचळ ने किया। संगोष्ठी का समापन वैदिक शान्तिपाठ से सम्पन्न हुआ।

इस अंतर्राष्ट्रीय वेब संगोष्ठी में गूगल मीट और यु-ट्यूब के माध्यम से ३१३ प्रतिभागी सम्मिलित हुए।

विश्वभाषा हिंदी : २१ वीं सदी का आवश्यकता

प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रशांत चौधरी जी का स्वागत

तकनीकी सहायक डॉ. सुहास पाटील जी का स्वागत

तकनीकी सहायक श्री. अभय शिंदे जी का स्वागत

प्रस्तावना करते हुए प्राचार्य प्रो. डॉ. प्रशांत चौधरी जी

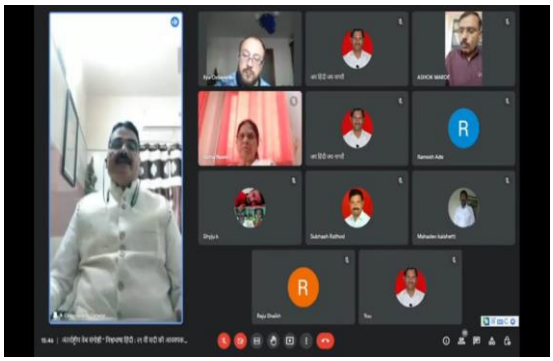

विषय प्रवर्तन करते हुए डॉ. ओमप्रकाश झंवर जी

प्रमुख अतिथि प्रो. डॉ. रमा नवले जी का वक्तव्य

प्रमुख अतिथि डॉ. इल्या ओस्तापेंको जी का वक्तव्य

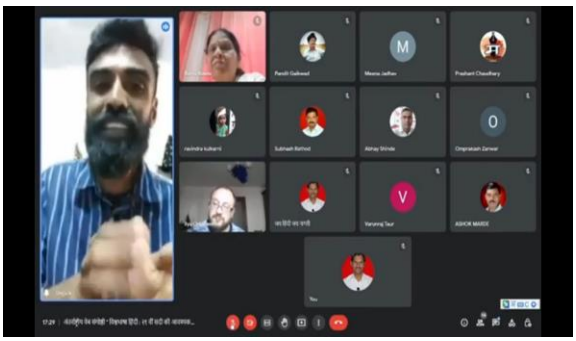

विशेष अतिथि डॉ. षैजू के. जी का वक्तव्य

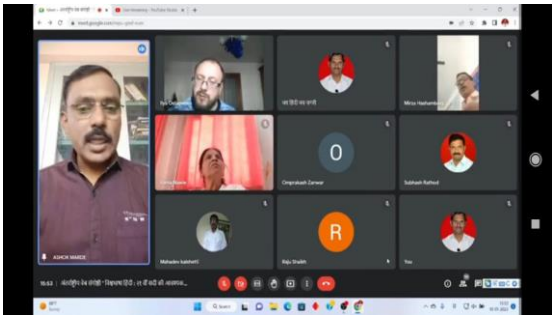

अध्यक्षीय समापन करते हुए प्रो. डॉ. अशोक मर्डे जी

सूत्रसंचालक एवं कृतज्ञताज्ञापक डॉ. विनोदकुमार वायचळ

वेब संगोष्ठी पर आधारित भित्तिपत्रक

लोकमत समाचार

हिंदी दिवस पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी संपन्न

उस्मानाबाद: हिंदी परिषद तथा अन्य 3 महाविद्यालयों की ओर से हिंदी दिवस पर बुधवार को अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया. इस संगोष्ठी को शांति मोहरीर मॉरिशस, राजकुमारी गौतम बेल्जियम, डॉ किरण हजारिका असम, डॉ महेंद्र ठाकुरदास आदि व्याख्याताओं ने संबोधित किया. कार्यक्रम का प्राक्कथन प्रोफेसर डॉ अशोक मर्डे ने किया. उपस्थित व्याख्याताओं ने हिंदी के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला. लगभग 3 घंटे ऑनलाइन चली इस संगोष्ठी में अध्यक्षीय उद्बोधन डॉ देवीदास इंगले ने दिया. संगोष्ठी संयोजक डॉ विनोद कुमार वायचल, डॉ केशव क्षीरसागर, डॉ अनघा तोड़करी, डॉ शाकिर शेख आदि का सराहनीय सहयोग रहा. हिंदी परिषद, व्यंकटेश महाजन वरिष्ठ महाविद्यालय, रामकृष्ण परमहंस महाविद्यालय, तेरणा महाविद्यालय उस्मानाबाद और पुणे महाविद्यालय पुणे के विद्यार्थियों ने इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में हिस्सा लिया.

Apna Samachar
Page No. 3 Sep 16, 2022
Powered by: erelego.com

लोकमत समाचार में छापा समाचार